

डॉ. गैरी येट्स, 12 की पुस्तक, सत्र 2, भविष्यवक्ताओं का मंत्रालय और संदेश, भाग 2

© 2024 गैरी येट्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. गैरी येट्स द्वारा लघु भविष्यवक्ताओं पर व्याख्यान श्रृंखला में दिया गया व्याख्यान है। यह व्याख्यान 2 है, भविष्यवक्ताओं का मंत्रालय और संदेश, भाग 2।

हमारा दूसरा सत्र भविष्यवक्ताओं के संदेश का परिचय देना जारी रखेगा।

इस अध्ययन में हम बारह की पुस्तक या लघु भविष्यवक्ताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मैं आपको जो एक बात प्रोत्साहित करना चाहता हूँ, वह यह है कि हमें लघु भविष्यवक्ताओं का अध्ययन करने से डरना नहीं चाहिए। यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके लिए आपको पेशेवर होना ज़रूरी है।

पादरी और शिक्षक होने के नाते, हमें इन पुस्तकों को पढ़ाने से डरना नहीं चाहिए। उम्मीद है कि हम जो कुछ भी उनके बुनियादी मंत्रालय और संदेश के बारे में बता रहे हैं, उससे हमें एक बुनियादी समझ मिलेगी जो हमें इसमें मदद करेगी। मैं मंत्रालय के वाचा संबंधी पहलू और भविष्यवक्ताओं के संदेश पर ध्यान केंद्रित करने में हमारी मदद करना जारी रखना चाहता हूँ।

फिर इस पाठ में, विशेष रूप से, भविष्यवक्ताओं के बारे में कुछ गलतफहमियों या गलत धारणाओं को स्पष्ट करने के लिए, जो मुझे लगता है कि चर्चों में उनके उपयोग को सीमित करती हैं। सबसे पहले, समीक्षा के तरीके के रूप में, याद रखें कि भविष्यवक्ता वाचाओं के संदेशवाहक हैं। परमेश्वर ने पुराने नियम में वाचाओं की एक श्रृंखला बनाई।

नूह की वाचा, अब्राहम की वाचा, मूसा की वाचा, दाऊद की वाचा और नई वाचाएँ। परमेश्वर की वाचा के संदेशवाहक के रूप में भविष्यवक्ताओं के संदेश उन विशिष्ट व्यवस्थाओं पर आधारित हैं जो परमेश्वर ने अलग-अलग व्यक्तियों के साथ की हैं। भविष्यवक्ताओं के संदेश, परमेश्वर के वचन को समझने से उसके चार भाग, तुमने पाप किया है और तुमने वाचा को तोड़ा है।

आपको पश्चाताप करने की आवश्यकता है। पुराने नियम में पश्चाताप शब्द को उलटने के लिए धकेल दिया गया। यदि पश्चाताप नहीं है, तो भविष्यवक्ता चेतावनी देते हैं कि न्याय होगा और वह न्याय मुख्य रूप से निर्वासन का रूप लेगा।

और फिर चौथा, वाचा के वादों और परमेश्वर द्वारा किए गए वादों के प्रति उसकी स्थायी प्रतिबद्धताओं के आधार पर, पुनर्स्थापना होगी। मैं भविष्यवक्ताओं के संदेश के वाचा संबंधी पहलू को देखना जारी रखना चाहता हूँ। भविष्यवक्ताओं को जो भूमिकाएँ दी गई हैं और जिस तरह से वे अपनी सेवकाई का वर्णन करते हैं, उनमें से एक यह है कि वे खुद को परमेश्वर के पहरेदार के रूप में संदर्भित करेंगे।

यह उन शब्दों में से एक है जिसका इस्तेमाल किया जाएगा। प्राचीन इस्राएल या प्राचीन दुनिया में एक पहरेदार, हमें 2 शमूएल अध्याय 18 में इसका एक चित्र मिलता है, वे लोग थे जो शहर की दीवारों के शीर्ष पर खड़े होते थे और वे उस शहर में रहने वाले लोगों को चेतावनी देते थे कि कोई दुश्मन आ रहा है। वे विभिन्न आगंतुकों या दूतों के आगमन की घोषणा करते थे।

तो यही भविष्यवक्ताओं की भूमिका है। परमेश्वर ने आठवीं शताब्दी से लेकर अब तक के शास्त्रीय भविष्यवक्ताओं, लिखित भविष्यवक्ताओं को लोगों को आने वाले न्याय के बारे में चेतावनी देने के तरीके के रूप में खड़ा किया है। असीरियन संकट के माध्यम से न्याय होने जा रहा है।

लोगों को इस बारे में चेतावनी देने के लिए परमेश्वर ने कई भविष्यवक्ताओं को खड़ा किया है। बेबीलोन के संकट में न्याय होने वाला है। बेबीलोन के लोग आ रहे हैं।

वे अपने रास्ते पर हैं। ऐसे भविष्यवक्ता हैं जो यहूदा के लोगों को इस बारे में चेतावनी देते हैं। निर्वासन के बाद की अवधि में, भले ही वे देश में वापस आ गए हों, फिर भी अधिक न्याय का अनुभव करने की संभावना है।

अंततः, लोगों को पूर्ण बहाली का अनुभव करने से पहले परमेश्वर की ओर लौटना होगा। भविष्यवक्ता उन लोगों की तरह हैं जो दीवार पर खड़े होकर आसन्न सेना या आसन्न दुश्मन के आगमन की घोषणा करते हैं। कभी-कभी, एक चौकीदार एक दाख की बारी में, एक झोपड़ी में, या एक आश्रय में खड़ा होता था, और वे मालिक के लिए उस दाख की बारी पर नज़र रखते थे।

यह इस्राएल में भविष्यवक्ताओं की भूमिका का भी हिस्सा था। यहजेकेल 33 में, एक भविष्यवक्ता पहरेदार के रूप में यहजेकेल की भूमिका पर एक प्रतिबिंब है। यहाँ श्लोक 1 की शुरुआत में क्या कहा गया है, और यदि हम ईश्वर के संदेशवाहक हैं, यदि हम ईश्वर के प्रवक्ता हैं, तो यह अंश किसी न किसी तरह से हम सभी पर लागू होता है।

भविष्यवक्ताओं का दायित्व था कि वे लोगों को आने वाले न्याय के बारे में चेतावनी दें। यदि वे उस दायित्व को पूरा करते और लोग सुनना नहीं चाहते, तो उन पर आने वाले न्याय और रक्तपात की जिम्मेदारी संदेश को अस्वीकार करने के लिए लोगों पर होगी। हालाँकि, यदि किसी भविष्यवक्ता को लोगों को चेतावनी देने के लिए परमेश्वर द्वारा बुलाया गया था, परमेश्वर ने उसे बताया कि निकट भविष्य में क्या होने वाला है, और भविष्यवक्ता में परमेश्वर द्वारा दिए गए संदेश का प्रचार करने का साहस या दृढ़ विश्वास नहीं था, तो अंततः भविष्यवक्ता को लोगों पर आने वाले न्याय के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं में कई जगह ऐसे हैं जहाँ इन भविष्यवक्ताओं को पहरेदार कहा गया है। वास्तविकता यह है कि वे परमेश्वर द्वारा लाए जाने वाले न्यायदंड के बारे में चेतावनी दे रहे थे, लेकिन लोगों ने उन चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया। यिर्मयाह 6, आयत 17 में कहा गया है, तुरही बजाई गई है।

संकट आने वाला है। वह तुरही एक चेतावनी संकेत है, लेकिन लोगों ने नहीं सुना और उन्होंने आज्ञा का पालन नहीं किया। अब, विशेष रूप से जब भविष्यवक्ता इस तथ्य के प्रकाश में न्याय के बारे में बात करते हैं कि यह वाचा पर आधारित है, तो भविष्यवक्ताओं द्वारा घोषित किए जाने वाले निर्णय विशेष रूप से, कई मायनों में, वे निर्णय और शाप हैं जो वाचा के शापों में घोषित किए गए हैं जिन्हें मूसा ने लैव्यव्यवस्था 26 और व्यवस्थाविवरण 28 में निर्धारित किया था।

फिर से, पहले सत्र में हमने जो कहा था, उस पर पुनर्विचार करते हुए, उन अभिशापों में प्रकृति के अभिशाप शामिल थे। वहाँ फफूंद और फफूंद होने वाली थी।

उन्हें बारिश की कमी का सामना करना पड़ता। उनकी फसलें नहीं उगतीं। यह एक अविश्वसनीय भूमि थी जहाँ परमेश्वर उन्हें ला रहा था।

लेकिन अगर वे परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते, तो उस देश को बर्बाद कर दिया जाएगा और शापित कर दिया जाएगा। वहाँ सैन्य शाप भी होंगे, और वे राष्ट्रों के मुखिया के बजाय पूँछ बन जाएँगे। उन्हें सैन्य पराजय का सामना करना पड़ेगा।

वे सदोम और अमोरा की तरह हो जाएँगे जिस तरह से उन्हें उखाड़ फेंका गया। आखिरकार, परमेश्वर ने अपने लोगों को जो अंतिम चेतावनी दी वह यह है कि निर्वासन का न्याय होगा, और अगर वे परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते तो उन्हें देश से निकाल दिया जाएगा। व्यवस्थाविवरण में इसे इस तरह से दर्शाया गया है कि परमेश्वर के लोगों को वास्तव में मिस्र वापस ले जाया जा रहा है।

हम भविष्यवक्ताओं से जानते हैं कि उन्हें विभिन्न स्थानों पर निर्वासित किया जाएगा, अशूर, बेबीलोन, मिस्र में। लेकिन भविष्यवक्ता उन्हें केवल न्याय की एक यादृच्छिक श्रृंखला की चेतावनी नहीं दे रहे हैं। भविष्यवक्ता विशेष रूप से उन पर वाचा के शापों का आह्वान कर रहे हैं जो व्यवस्थाविवरण 28, लैव्यव्यवस्था 26 में बताए गए हैं।

अब, जब आप वापस जाकर उन अंशों को पढ़ते हैं, तो प्रभु आपके सामने रखते हैं, यहाँ वे आशीर्वाद हैं जिनका आप आनंद लेंगे। यहाँ वे शाप हैं जिनका आप अनुभव करेंगे यदि आप अवज्ञा करते हैं। प्रभु की खोज करें और जीवित रहें।

आप जीवन और मृत्यु के बीच चुनाव कर सकते हैं। उन अंशों में दिलचस्प बात यह है कि आशीर्वाद वाला भाग अक्सर बहुत छोटा होता है। मुझे लगता है कि व्यवस्थाविवरण 28 में 10 या 12 से भी कम आयतें हैं।

इसका शाप वाला भाग लंबा है क्योंकि परमेश्वर लोगों के हृदय की प्रवृत्ति को जानता है। वह उन्हें इसकी गंभीरता और संभावना के बारे में पहले ही चेतावनी देना चाहता है और वास्तविकता यह है कि वे इन शापों का अनुभव करने जा रहे हैं क्योंकि उनका प्रभु का अनुसरण न करने और प्रभु द्वारा बताए गए काम न करने का एक लंबा इतिहास रहा है। लेकिन हमें यशायाह अध्याय 1, श्लोक 5 से 8 में इस्राएल पर आने वाले वाचा के शापों का अंदाजा मिलता है। और याद रखें, यशायाह एक भविष्यवक्ता है जिसे परमेश्वर ने असीरियन संकट के दौरान खड़ा किया था।

और इसलिए, वह लोगों के लिए यह कैसा होगा, इसकी कल्पना करता है जब असीरियन सेना आक्रमण करती है और देश के माध्यम से आती है। हम पुराने नियम के बाहर बाहरी स्रोतों में पढ़ते हैं कि जब असीरियन यहूदा की भूमि पर आए, तो उन्होंने यहूदा के 46 शहरों पर कब्जा कर लिया, और उन्होंने 8वीं शताब्दी के दौरान हिजकिय्याह को पिंजरे में बंद पक्षी की तरह फँसा दिया। खैर, मुझे लगता है कि अध्याय 1, श्लोक 5 से 8 में यशायाह जो कहता है, उसकी पृष्ठभूमि यही है। यशायाह कहता है, तुम क्यों मारे जाओगे? तुम विद्रोह क्यों करते रहोगे? पूरा सिर बीमार है, और पूरा दिल बेहोश है।

पैर के तलवे से लेकर सिर तक, इसमें कोई भी स्वस्थता नहीं है, केवल चोट, घाव और कच्चे घाव हैं। उन्हें दबाया नहीं गया है, बाँधा नहीं गया है, या तेल से नरम नहीं किया गया है। और इसलिए, यहाँ पूरी भूमि को इस खून से लथपथ, चोटिल, घायल व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया है जो इन चोटों के कारण बीमार है।

यही वह है जो अशशूर की सेना ने अंततः इस्राएल के लोगों पर थोपा। यही वह है जिसके बारे में मूसा ने व्यवस्थाविवरण 28 में चेतावनी दी थी। तुम सिर के बजाय पूँछ बनोगे क्योंकि तुम इन शत्रुओं और उन सभी चीज़ों के अधीन होने जा रहे हो जो वे तुम्हारे साथ करेंगे।

यशायाह आगे कहता है, तुम्हारा देश उजाड़ पड़ा है। तुम्हारे नगर आग से जला दिए गए हैं। तुम्हारे सामने ही विदेशी लोग तुम्हारी भूमि को खा गए हैं।

यह उजाड़ है मानो विदेशियों ने इसे उखाड़ फेंका हो। और सिथ्योन की बेटी को अंगूर के बगीचे में एक झोपड़ी की तरह, ककड़ी के खेत में एक झोपड़ी की तरह, एक घेरे हुए शहर की तरह छोड़ दिया गया है। ये सब क्यों हुआ? क्योंकि ये वे विशिष्ट वाचा के अभिशाप थे जिन्हें परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों के विरुद्ध लाने का वादा किया था।

अब, छोटे भविष्यवक्ता बिल्कुल यही काम करने जा रहे हैं। और जब हम उन न्यायदंडों को देखते हैं जिनके बारे में वे बात करते हैं, तो हम यह भी समझते हैं कि ये बिल्कुल वही हैं, हम उन्हें व्यवस्थाविवरण 28 और लैव्यव्यवस्था 26 में पाए जाने वाले वाचा के अभिशापों के साथ बिल्कुल उसी तरह से जोड़ सकते हैं। अब, मुझे लगता है कि इसका सबसे अच्छा उदाहरण आमोस के अध्याय चार में मिलता है, जहाँ आमोस लोगों को उपदेश दे रहा है।

याद रखें, आमोस भी इस असीरियन संकट के दौरान मौजूद है। वह उन्हें आने वाले न्याय के बारे में चेतावनी दे रहा है। लेकिन आमोस की किताब में, वह पहले से आ चुके न्याय के बारे में भी बात करता है।

और जो न्यायदंड पहले ही आ चुके हैं, जैसा कि उन्होंने उनका उल्लेख किया है, वे प्राकृतिक आपदाओं की एक यादृच्छिक सूची मात्र नहीं हैं। वे विशिष्ट चीज़ें हैं जो परमेश्वर वाचा के शापों, लैव्यव्यवस्था 26, व्यवस्थाविवरण 28 में इस्राएल के लोगों के साथ करने जा रहा है, यदि उन्होंने परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी। आमोस अध्याय चार, श्लोक छह को सुनें।

मैंने तुम्हारे सभी शहरों में दांतों की सफाई और तुम्हारे सभी स्थानों में रोटी की कमी कर दी है। ठीक है, दांतों की सफाई का मतलब दांतों की सफाई नहीं है। यह भोजन की कमी है।

और इसलिए, प्रभु ने उनकी फसलों को शाप दिया है। और फिर आमोस ने यह कहा, फिर भी तुम मेरे पास वापस नहीं आए, प्रभु की घोषणा है। प्रभु ने कहा, देखो, मैंने ये काम किए हैं।

मैं तुम्हारा ध्यान आकर्षित करने के लिए तुम्हारे ऊपर ये विपत्तियाँ लाया हूँ। अगर तुम अपने तरीके नहीं बदलोगे तो और भी न्याय होगा। तुम मेरे पास वापस नहीं आए।

तुम क्यों नहीं जागते और समझते कि मैं क्या कर रहा हूँ? ये विपत्तियाँ तुम्हारे साथ क्यों हो रही हैं? श्लोक सात। मैंने तुम्हारे लिए तब भी वर्षा रोक दी थी जब कटनी में अभी तीन महीने बाकी थे। मैं एक शहर में वर्षा भेजता, लेकिन दूसरे में नहीं भेजता।

एक खेत में बारिश होती थी और जिस खेत में बारिश नहीं होती थी, वह सूख जाता था। इसलिए, दो या तीन शहर पानी पीने के लिए दूसरे शहर में भटकते थे और संतुष्ट नहीं होते थे। यह उन चीजों में से एक थी जिसके बारे में व्यवस्थाविवरण में बात की गई थी।

यहोवा आकाश को पीतल में बदल देगा। और इस्राएल की भूमि में, बारिश हमेशा एक समस्या थी। पर्याप्त बारिश प्राप्त करना और यह सुनिश्चित करना कि फसलों के लिए बारिश हो, हमेशा एक समस्या थी।

और इसलिए, जब प्रभु ने विभिन्न स्थानों पर इसे रोक दिया, तो यह लोगों के लिए एक अनुस्मारक था कि वे अपनी वाचा की ज़िम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाए थे। लेकिन आमोस कहता है, फिर भी तुम मेरे पास वापस नहीं आए। मैंने तुम्हें भोजन की कमी दी।

इस पर आपका ध्यान नहीं गया। मैंने आपको बारिश की कमी के बारे में बताया था, जिसका असर आपकी फसलों पर भी पड़ा। इस पर आपका ध्यान नहीं गया।

श्लोक नौ। मैंने तुम्हें पांव में फफूंद और फफूंदी से मारा, तुम्हारे बहुत से बगीचे और दाख की बारियाँ, तुम्हारे अंजीर और जैतून के पेड़, टिड्डियाँ खा गईं, फिर भी तुम मेरे पास वापस नहीं आए। यहाँ अन्य विशिष्ट वाचा शापों का उल्लेख किया गया है।

उनकी फसलों में बीमारी, जिससे वे पैदावार नहीं कर पाते और भूमि दूध और शहद से नहीं भर पाती जिसका वादा परमेश्वर ने किया था। भूमि पर टिड्डियों का आक्रमण। लैव्यव्यवस्था 26, व्यवस्थाविवरण 28 में विशेष शाप दिए गए हैं।

ये सभी स्वभाव से ही शाप हैं। श्लोक 10. मैंने मिस्र की जागीर के पीछे तुम्हारे बीच एक महामारी भेजी।

मैंने तुम्हारे नौजवानों को तलवार से मार डाला और तुम्हारे घोड़ों को ले गया। और मैंने तुम्हारे शिविर की बदबू तुम्हारे नथुनों में पहुंचा दी, फिर भी तुम मेरे पास वापस नहीं आए। और इसलिए अब हम उन शापों की ओर बढ़ना शुरू कर रहे हैं जिन्हें वे सैन्य शाप के रूप में अनुभव करते हैं।

वे अपने शत्रुओं से पराजित हुए हैं। उन्हें ऐसी बीमारियाँ झेलनी पड़ी हैं, जिनके कारण उनके बच्चे उनसे दूर हो गए। श्लोक 11.

मैंने तुममें से कुछ को वैसे ही उखाड़ फेंका जैसे परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को उखाड़ फेंका था, और तुम जलती हुई लकड़ियों की तरह थे, फिर भी तुम मेरे पास वापस नहीं आए। व्यवस्थाविवरण, लैव्यव्यवस्था फिर से कहती है, अगर तुम परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानोगे तो मैं तुम पर जो शाप लाऊँगा उनमें से एक यह है कि मैं तुम्हें वैसे ही उखाड़ फेंकूँगा जैसे मैंने सदोम और अमोरा को उखाड़ फेंका था। आज्ञाकारिता और दुष्टता का अंतिम उदाहरण।

और इसलिए, परमेश्वर ने वाचा के अभिशापों की एक श्रृंखला भेजी है। ये, एक तरह से, पूर्व-आक्रमणकारी हमले हैं। आमोस उन्हें इस तथ्य के बारे में चेतावनी दे रहा है कि एक बड़ा न्याय आने वाला है, और अंतिम न्याय, अंतिम वाचा अभिशाप, निर्वासन का न्याय होगा।

और इसलिए, हम अक्सर भविष्यवक्ताओं के बारे में यह गलतफहमी रखते हैं कि वे ऐसे उग्र, उग्र कट्टरपंथी हैं जो अपनी संस्कृति, अपने समाज में चल रही हर चीज़ से नाराज़ हैं। असल में, वे लोगों की सेवा कर रहे हैं क्योंकि वे इन लोगों को चेतावनी दे रहे हैं। अगर भगवान का इरादा सिर्फ़ उन्हें नष्ट करना और उनका सफ़ाया करना था, तो भगवान अपने भविष्यवक्ताओं को भेजे बिना भी ऐसा कर सकते थे।

भविष्यवक्ता उन्हें चेतावनी दे रहे हैं ताकि वे आने वाली आपदाओं से बच सकें। और इसी वजह से, उनके संदेश में एक तात्कालिकता है। और एक पादरी और एक शिक्षक के रूप में मुझे भविष्यवक्ताओं को पढ़ते समय एक बात याद आती है कि हमारा संदेश तात्कालिकता है।

हम लोगों को परमेश्वर के राज्य और सुसमाचार के बारे में जो संदेश दे रहे हैं और लोगों को पश्चाताप के लिए बुला रहे हैं, वह जीवन और मृत्यु का संदेश है। और भविष्यवक्ता इसलिए अत्यावश्यक थे क्योंकि उनका संदेश जीवन और मृत्यु का संदेश था। लोग जीवित रहते या मरते, यह इस बात पर निर्भर करता था कि उन्होंने इस संदेश को किस तरह सुना।

मैं 1979 में फ्लोरिडा में एक कॉलेज छात्र था, और मुझे पहली बार तूफान का प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर मिला। मैं तूफान डेविड के समय फ्लोरिडा में था। मूर्खतापूर्ण रूप से, ऐसे पहले कभी न देखने के कारण, मैंने फैसला किया कि मैं समुद्र तट पर जाना चाहता हूँ और वास्तव में इसे प्रत्यक्ष रूप से देखना चाहता हूँ।

मुझे याद है कि जब हम तूफान आने से पहले नीचे जा रहे थे, वहाँ पहुँचने से एक दिन पहले, एक पुलिसकर्मी अंतर-तटीय जलमार्ग पर जाने वाले पुल पर तैनात था। और जब हमने उसे बताया कि हम समुद्र तट पर जा रहे हैं, तो उसने कुछ रंगीन रूपकों का उपयोग करते हुए, हमें वहाँ से चले जाने के लिए जोर दिया। और वह समझदारी से हमें किसी बात के बारे में चेतावनी दे रहा था।

वह विनम्र नहीं था। वह उस समय दोस्ताना व्यवहार नहीं कर रहा था। वह हमें किसी बात के बारे में तत्काल चेतावनी दे रहा था।

और मुझे लगता है कि जब हम भविष्यवक्ताओं की बातें सुनते हैं और जब वे न्याय के बारे में बात करते हैं, तो हमें यह याद रखना चाहिए। वे एक ज़रूरी संदेश बोल रहे हैं। मैं कुछ महीने पहले एक यात्रा पर राजमार्ग पर गाड़ी चला रहा था, और आपातकालीन प्रसारण नेटवर्क की आवाज़ सुनाई दी।

और वे अपने तूफान चेतावनी प्रणाली का परीक्षण कर रहे थे। जब मुझे पता चला कि यह एक परीक्षण था, तो संदेश के बारे में मेरी तत्परता कम हो गई। लेकिन अगर वह एक वास्तविक संदेश होता, तो उस समय मेरे लिए कार्रवाई करना अनिवार्य होता।

और इसलिए, भविष्यवक्ता सबसे गंभीर शब्दों का उपयोग करके भगवान के न्याय की व्याख्या करने जा रहे हैं और चेतावनी देने जा रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि लोग समझें कि यह कितना गंभीर है। ब्रेंट सैंडी, जब अपनी पुस्तक प्लॉशियर्स एंड प्रूनिंग हुक्स में भविष्यवक्ताओं के बारे में बात करते हैं, तो वे कहते हैं कि जब हम राफिटिंग कर रहे होते हैं तो भविष्यवक्ता का संदेश सफ़ेद पानी की तरह होता है। यह सबसे खराब, सबसे चरम शब्दों में एक अतिरंजित संदेश है।

वे चाहते हैं कि हम देखें कि न्याय कितना भयानक होने वाला है। और इसलिए, यिर्मयाह कहने जा रहा है, जब परमेश्वर अपने लोगों के विरुद्ध न्याय लाएगा, तो यह खिड़की से घुसती हुई मौत की तरह होगा। भविष्यवक्ता योएल परमेश्वर के न्याय के बारे में बात करता है।

और जोएल, निर्वासन के बाद की अवधि में, जब वे पहले से ही निर्वासन में चले गए हैं, तो कहने जा रहा है, आपने इस टिड्डे की महामारी का अनुभव किया है जहाँ भगवान ने आपकी फसलों को तबाह कर दिया है। खैर, अगर आप उससे नहीं सीखते हैं तो प्रभु का दिन निकट है। और खतरा यह है कि एक सेना, एक भौतिक मानव सेना, एक टिड्डे की महामारी के आकार की, आपकी सेना पर आक्रमण करने वाली है।

आपको जागने और यह समझने की ज़रूरत है कि क्या होने वाला है। जब अमोस इस बारे में बात करता है, तो वह कहता है कि जैसे ही न्याय आएगा, 90% लोग या तो मारे जाएँगे या निर्वासित कर दिए जाएँगे। दस में से नौ।

एक जगह पर, वह बचे हुए लोगों, बचे हुए लोगों, इस के बचे हुए लोगों के बारे में बात करता है। और वह कहता है, जब असीरियन सेना आएगी, जब यह हमलावर सेना आएगी, तो इस्राएल एक भेड़ की तरह रह जाएगा जिसे शेर के मुंह से निकाला गया हो। यह एक ज्वलंत तस्वीर है।

और उसने कहा कि जो कुछ बचेगा वह पूंछ का एक टुकड़ा, पैर का एक छोटा सा हिस्सा, कान का एक हिस्सा होगा। इस्राएल ऐसा ही होगा, एक जानवर की तरह जिसे चीर दिया गया हो। और इसलिए भविष्यवक्ता हमें परमेश्वर के क्रोध के सफ़ेद पानी से होकर ले जाने वाले हैं।

न्याय उतना ही बुरा और भयानक होने वाला है जितना कि यह है। और यह परमेश्वर के पहरेदारों के रूप में उनकी सेवकाई में उनकी भूमिका का हिस्सा है। लेकिन इसका दूसरा पहलू, और मुझे लगता है कि उस सफ़ेद पानी का दूसरा पहलू यह है कि भविष्यवक्ता हमें परमेश्वर के प्रेम की गहराई को समझने में भी मदद करने जा रहे हैं।

और इसलिए, जैसा कि मैंने भविष्यवक्ताओं का अध्ययन किया है, और मैंने पिछले वीडियो में इसके बारे में बात की थी, इसने मुझे भविष्यवक्ताओं के ईश्वर से प्रेम करने में सक्षम बनाया है। और यही बात इन पुस्तकों के बारे में है जो मुझे आकर्षित करती है, वह यह है कि मैं उस ईश्वर की खोज करना चाहता हूँ। यह सिर्फ़ एक क्रोधित ईश्वर नहीं है।

यह सिर्फ़ एक ऐसा ईश्वर नहीं है जो अपने लोगों को नष्ट करना चाहता है, बल्कि यह एक ऐसा ईश्वर भी है जो उनके प्रति प्रतिबद्ध है, चाहे कुछ भी हो। मेरे बच्चे कुछ भयानक काम कर सकते हैं, लेकिन मैं हमेशा एक पिता के रूप में उनसे प्यार करता रहूँगा। एक बड़े तरीके से, ईश्वर हमेशा अपने बच्चों के प्रति प्रतिबद्ध रहने वाला है।

परमेश्वर ने इस्राएल के साथ जो वाचाएँ कीं, उनमें उन पर ऐसी शर्तें रखी गईं कि यदि वे अवज्ञा करेंगे तो उनका न्याय किया जाएगा, और यदि वे परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं करेंगे तो उन्हें कड़ी सज़ा दी जाएगी। लेकिन भविष्यवक्ता लगातार इस विचार पर वापस आते रहेंगे कि प्रभु अपने लोगों को कभी नहीं छोड़ेंगे। और इसलिए, इस न्याय के बाद, हमेशा एक पुनर्स्थापना होने वाली है।

मैं अपने विद्यार्थियों से कहता हूँ, यदि आप कभी किसी दीक्षा परीक्षा की तैयारी कर रहे हों और कोई आपसे यह प्रश्न पूछना चाहे कि भविष्यवक्ता का संदेश क्या है? न्याय और उद्धार का उत्तर देकर आप सुरक्षित हैं। आपके दीक्षा सलाहकार को लगेगा कि आप पुराने नियम को वास्तव में बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। लेकिन हमेशा न्याय होता है, और हमेशा उद्धार होता है।

अब, जैसा कि आलोचनात्मक विद्वान इस पर विचार कर चुके हैं, वे अक्सर उद्धार के उन संदेशों के बारे में बात करते हैं जो भविष्यवक्ताओं के संदेश में बाद में जोड़े गए थे। लेकिन मुझे लगता है कि इसमें एक समस्या यह है कि इनमें से हर एक पुस्तक में हमेशा उद्धार का संदेश होता है। आमोस, संभवतः पूरे पुराने नियम में न्याय का सबसे चरम संदेश है, फिर भी उस पुस्तक के अंत में, अध्याय 9, 11 से 15 में, एक वादा है कि परमेश्वर जो कुछ भी नष्ट कर चुका है उसे पुनः स्थापित करने जा रहा है।

यिर्मयाह की पुस्तक का पहला भाग परमेश्वर के विध्वंस और विध्वंस के कार्य के बारे में है। पुस्तक का दूसरा भाग आशा के बारे में है, परमेश्वर क्या बनाने और रोपने जा रहा है, और उससे क्या उगता है। और इसलिए, भविष्यवक्ताओं में निश्चित रूप से परमेश्वर के क्रोध का सफ़ेद पानी है, लेकिन अपने लोगों के लिए परमेश्वर के प्रेम का तीव्र, अविश्वसनीय जुनून भी है।

परमेश्वर के प्रेम के बारे में कुछ महानतम अंश और भविष्यवक्ताओं में से कुछ अंश जो मुझे सबसे अधिक प्रभावित करते हैं, वे इसी से संबंधित हैं। मैं इनमें से कुछ अंश आपके साथ साझा करना चाहता हूँ जो मेरे लिए कुछ मायने रखते हैं। यशायाह 40 में, जब परमेश्वर अपने लोगों को

निर्वासन से वापस लाने के बारे में बात करता है, तो वह कहता है कि प्रभु एक चरवाहे की तरह होगा, और वह अपने लोगों को अपनी बाहों में उठाएगा।

और यहां तक कि सबसे नाजुक, कोमल मेमने को भी प्रभु अपनी बाहों में उठाएगा। और हमारे चरवाहे के रूप में प्रभु की वह कोमल तस्वीर, भजन 23 का एक जीवंत उदाहरण है, यही वह है जो परमेश्वर अपने लोगों के लिए करने जा रहा है जब वह उन्हें पुनर्स्थापित करेगा और उन्हें निर्वासन से वापस लाएगा। यशायाह 49 में, इस्राएल के लोग कहते हैं, प्रभु मुझे भूल गया है।

प्रभु ने मुझे त्याग दिया है। सियोन खुद बोलती है और कहती है, परमेश्वर ने हमें भूल दिया है। और यह उनके साथ हुई आपदा के प्रति एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया रही होगी।

लेकिन प्रभु उस कथन का जवाब देते हैं, और वे कहते हैं, क्या एक दूध पिलाने वाली माँ अपने बच्चे को भूल सकती है? भले ही वह भूल जाए, लेकिन प्रभु तुम्हें नहीं भूलेंगे। और प्रभु कहते हैं कि उनके एक हाथ पर सियोन का नाम है, उनके दूसरे हाथ पर सियोन शहर की छवि है। मैं इस मुद्दे पर नहीं जाऊँगा कि भगवान के पास टैटू है या नहीं, लेकिन ऐसा लगता है कि यह कहता है कि हमारे भगवान का जागता हुआ विचार जो कभी नहीं सोता, निरंतर विचार, निरंतर ध्यान, वह चीज़ जो हमेशा उनके दिमाग में रहती है, वह है भगवान के लोग।

वह उन्हें कभी नहीं भूलेगा। भविष्यवक्ता यिर्मयाह निर्वासितों से कहता है, मैं तुम्हारे लिए जो योजनाएँ बना रहा हूँ, उन्हें जानता हूँ, तुम्हें आशा और भविष्य देने की योजनाएँ, और मैं तुम्हें पुनःस्थापित करने जा रहा हूँ। यह हर ईसाई के लिए एक अंतहीन वादा नहीं है कि परमेश्वर हमारे जीवन में हर योजना को पूरा करने जा रहा है।

इसका मतलब यह है कि परमेश्वर हमारी परम भलाई के लिए प्रतिबद्ध है, ठीक उसी तरह जैसे रोमियों 8 हमें बताता है कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं और उसके उद्देश्य के अनुसार बुलाए जाते हैं, उनके लिए सभी चीजें मिलकर भलाई के लिए काम करती हैं। होशे 11 में, होशे एक ऐसी पुस्तक है जहाँ वह एक विश्वासघाती महिला से विवाह करता है, जो इस्राएल के लोगों के लिए एक दृश्य वस्तु पाठ के रूप में है कि वे किस तरह से परमेश्वर के प्रति विश्वासघाती रहे हैं। होशे अध्याय 11 में उस पुस्तक के अंत में, प्रभु अपनी पत्नी के रूप में इस्राएल के प्रति अपने प्रेम के बारे में बात करता है।

और वह यह कहता है, अध्याय 11, श्लोक 8 और 9, हे एप्रैम, मैं तुम्हें कैसे छोड़ सकता हूँ? हे इस्राएल, मैं तुम्हें कैसे सौंप सकता हूँ? वे उसके लिए एक विश्वासघाती पत्नी रही हैं। ईश्वर के रूप में और अपनी वाचा के प्रति पूरी तरह से वफादार होने के नाते उसे इन लोगों को पूरी तरह से भस्म करने और नष्ट करने का पूरा अधिकार है। लेकिन वह कहता है, मैं तुम्हें कैसे छोड़ सकता हूँ? मैं तुमसे प्यार करता हूँ।

मैं लोगों को सलाह दे रहा हूँ, और वे किसी से विवाहित हैं। यह ऐसा है, जिस कारण से आपने उस व्यक्ति से विवाह किया? आप उनके साथ कैसे रह सकते हैं? जब हम पुराने नियम को देखते हैं, तो हम कहते हैं, परमेश्वर कभी भी अपनी पत्नी के रूप में इस्राएल के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध

कैसे हो सकता है? लेकिन वह कहता है, मैं तुम्हें नहीं छोड़ सकता। और वह कहता है, मैं तुम्हें अदमोन जैसा कैसे बना सकता हूँ? मैं तुम्हें सबोइम जैसा कैसे बना सकता हूँ? वे शहर जो सदोम और अमोरा के साथ नष्ट हो गए थे।

प्रभु कहते हैं, मेरा हृदय भीतर से सिकुड़ जाता है। मेरी करुणा गर्म और कोमल हो जाती है। अपने सबसे बड़े क्रोध के बीच भी, उस समय के बीच भी जब प्रभु अपने लोगों को सज़ा दे रहा था क्योंकि वे उसके प्रति विश्वासघाती थे।

उन्होंने एक बेवफा जीवनसाथी की तरह उसके साथ धोखा किया था। परमेश्वर कहते हैं, मेरा हृदय तुम्हारे लिए करुणा से भर जाता है। यह गर्म और कोमल हो जाता है।

मैं अपना भड़कता हुआ क्रोध प्रकट न करूंगा। मैं एप्रैम को फिर नाश न करूंगा, क्योंकि मैं मनुष्य नहीं परमेश्वर हूँ। मैं तुम्हारे बीच में पवित्र परमेश्वर हूँ, और मैं क्रोध में आकर न आऊंगा।

मैं कोई आदमी नहीं हूँ। मैं बदला लेने के लिए तैयार नहीं हूँ। मैं बदला लेने के लिए तैयार नहीं हूँ।

मैं अपने लोगों को पूरी तरह से नष्ट नहीं करने जा रहा हूँ। एक धर्मी परमेश्वर के रूप में, एक पवित्र परमेश्वर के रूप में, मैं उन्हें पाप के लिए दंडित करने जा रहा हूँ, लेकिन मैं अंततः उन्हें पुनर्स्थापित करूंगा। और इसलिए वाचा केवल भविष्यवक्ताओं में न्याय का संदेश नहीं है।

यह पुनर्स्थापना का संदेश भी है। मेरे अन्य पसंदीदा में से एक, यिर्मयाह अध्याय 30। और मैं बस एक संक्षिप्त खंड पढ़ना चाहता हूँ।

यिर्मयाह 30 से 33 उस पुस्तक का एक हिस्सा है जिसे सांत्वना की पुस्तक के रूप में जाना जाता है। और यह परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को निर्वासन में भेजने के बाद उनके भाग्य को बहाल करने के बारे में है। अध्याय 30 में, श्लोक 12 से शुरू करते हुए, प्रभु लोगों से यह कहते हैं, प्रभु कहते हैं: तुम्हारा घाव असाध्य है।

तुम्हारा घाव बहुत गहरा है। तुम्हारा पक्ष लेने वाला कोई नहीं है। तुम्हारे घाव के लिए कोई दवा नहीं है।

तुम्हारे लिए कोई इलाज नहीं है। तुम्हारे सारे प्रेमी तुम्हें भूल चुके हैं। उन्हें तुम्हारी कोई परवाह नहीं है।

क्योंकि मैंने तुम्हें शत्रु का प्रहार, निर्दयी शत्रु की सज़ा दी है, क्योंकि तुम्हारा अपराध बहुत बड़ा है, क्योंकि तुम्हारे पाप बहुत बड़े हैं। तुम अपनी पीड़ा पर क्यों चिल्लाते हो? तुम्हारा दर्द असाध्य है, क्योंकि तुम्हारा अपराध बहुत बड़ा है, क्योंकि तुम्हारे पाप बहुत बड़े हैं। उस अंश में हम जो कुछ भी पढ़ते हैं, वह निराशा को दर्शाता है।

तुम पीड़ित हो। तुम पर यह चोट लगाई गई है। इसका कोई इलाज नहीं है।

ऐसा कोई मरहम नहीं है जो इस समस्या का समाधान कर सके। प्रेमी, झूठे मार्गदर्शक, शत्रु जिनकी ओर आपने रुख किया और सोचा कि वे आपकी सुरक्षा और महत्व का स्रोत होंगे, उन्होंने भी आपकी मदद नहीं की। ऐसा कुछ भी नहीं है जिसकी ओर आप जा सकें।

और ऐसा क्यों हुआ? प्रभु कहते हैं क्योंकि तुम्हारे पाप बहुत बड़े हैं। तुम इसके लायक हो। परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अपनी वाचा नहीं छोड़ी थी।

उन्होंने वाचा को त्याग दिया था। भगवान ने उन्हें बेबीलोन की सेना से बचाने में विफल होकर निराश नहीं किया था। उन्होंने खुद ही यह सब किया था।

तो यिर्मयाह अध्याय 30, पद 12 से पद 15 तक इस बारे में सब कुछ निराशाजनक है। लेकिन ध्यान दें कि पद 16 में क्या कहा गया है। इसलिए, लेकेन।

ठीक है, परिणाम यह है। और हम उम्मीद करते हैं, वाह, यह न्याय का एक भयानक, विनाशकारी संदेश होने जा रहा है। लेकिन इसके बजाय हमारे पास जो है वह है जिसे टिम केलर इस मार्ग में भगवान की अतार्किक कृपा की एक सुंदर अभिव्यक्ति के रूप में संदर्भित करता है।

इसलिये जो तुझे खाते हैं, वे सब खाए जाएंगे। तेरे सब शत्रु बन्दी बनाए जाएंगे। जो तुझे लूटते हैं, वे भी लूटे जाएंगे।

और जितने तुझ से प्रार्थना करते हैं, उन सभी को मैं लूट लूंगा, क्योंकि मैं तेरा इलाज कर दूंगा। मैं तेरे घावों को चंगा करूंगा, यहोवा की यह वाणी है, क्योंकि उन्होंने तुझे निर्वासित कहा है।

यह सिय्योन है जिसकी किसी को परवाह नहीं है। बाकी सभी लोग सिय्योन को भूल चुके हैं। बाकी सभी ने उन्हें इतिहास की राख के ढेर में डाल दिया है।

भगवान कहते हैं कि मैं तुम्हें पुनः स्वस्थ कर दूंगा। कोई स्वास्थ्य नहीं है। कोई उपचार नहीं है।

मैं इसके बजाय आपको यह देने जा रहा हूँ। और परमेश्वर इस्राएल के लोगों के प्रति अपनी स्थायी वाचा प्रतिबद्धता के कारण ये कार्य करने जा रहा है। परमेश्वर के गुणों में से एक जिसका हम इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करने जा रहे हैं, वह वही है जिसका उल्लेख पुराने नियम में किया गया है, हिब्रू शब्द हेसेड है।

यह परमेश्वर के वफ़ादार प्रेम, उसकी प्रतिबद्धता और उसकी वफ़ादारी के बारे में बात करता है। यिर्मयाह कहता है, मैंने अपने लोगों से हमेशा के लिए प्यार किया है, और इसलिए मैंने उन्हें निर्वासन के बाद भी, न्याय के बाद भी अपनी प्रेमपूर्ण कृपा से आकर्षित किया है। 12 की पुस्तक में, चार भविष्यद्वक्ता हैं, हाग्वै, जकर्याह, योएल और मलाकी, जो निर्वासन के बाद की अवधि के दौरान सेवा करते हैं।

वे हमें याद दिलाते हैं कि निर्वासन के न्याय के बाद, परमेश्वर अपने लोगों को वापस लाएगा। परमेश्वर उन्हें पुनर्स्थापित करेगा। लेकिन उन पुस्तकों में कुछ दिलचस्प भी होता है।

हम पाते हैं कि लोग वापस अपने देश में लौट आए हैं, लेकिन वे अभी भी पूरी तरह से परमेश्वर के पास नहीं लौटे हैं। हाग्वे और जकर्याह को उनसे इस तथ्य के बारे में बात करनी होगी कि उन्होंने मंदिर का पुनर्निर्माण नहीं किया है, उन्होंने परमेश्वर की प्राथमिकताओं का पालन नहीं किया है। और इसलिए निर्वासन के बाद भी अधिक न्याय की संभावना है।

योएल, तुम परमेश्वर से दूर हो गए हो। परमेश्वर ने तुम पर टिड्डियों का प्रकोप लाया है। अपने दिलों को चीरकर, उसकी ओर लौट आओ। और भी न्याय होने वाला है। मलाकी, परमेश्वर और उसके लोगों के बीच यह विवाद है क्योंकि लोग वास्तव में प्रभु की ओर नहीं लौटे हैं। इसलिए पुनर्स्थापना के बाद भी, यहाँ तक कि भूमि पर वापस आने के बाद भी, वे अभी भी पूरी तरह से परमेश्वर की ओर नहीं लौटे हैं।

तो, परमेश्वर वहाँ क्या करता है? क्या परमेश्वर कहता है, ठीक है, तुम जानते हो, मैंने उन्हें एक मौका दिया है, मैंने उन्हें वापस लाने का वादा किया है, मैं उन्हें वापस लाता हूँ, लेकिन वे अभी भी मेरे पास वापस नहीं आए हैं? परमेश्वर अपनी स्थायी चिंता को दिखाने के लिए वहाँ क्या करता है कि उस समय के दौरान सेवा करने वाले भविष्यद्वक्ता भी वादा करने जा रहे हैं कि प्रभु वापसी के बाद वापसी का कारण बनने जा रहा है जहाँ अंततः लोगों की पूरी तरह से बहाली होगी। आप जानते हैं, हम निर्वासन के बाद के समय को देखते हैं। यह वह महान बहाली नहीं थी जिसकी हम यशायाह या यिर्मयाह जैसे भविष्यद्वक्ताओं से अपेक्षा करते हैं।

यह एक निराशाजनक, हतोत्साहित करने वाला समय था। वे अभी भी विदेशी उत्पीड़न के अधीन हैं। और फिर, यह भगवान की गलती नहीं थी, बल्कि यह लोगों की गलती थी।

लेकिन निर्वासन के बाद के भविष्यद्वक्ता हमारे लिए क्या करने जा रहे हैं, वह यह है कि वे परमेश्वर की वफ़ादारी और इस्राएल के प्रति परमेश्वर की प्रतिबद्धता के बारे में इस संदेश को पूरा करने जा रहे हैं, और वे कहने जा रहे हैं, प्रभु इस वापसी के बाद एक वापसी लाने जा रहे हैं जो अंततः वह सब कुछ होगा जिसकी परमेश्वर ने कल्पना की थी। और इसलिए भविष्यद्वक्ता जकर्याह जकर्याह 8, श्लोक 7 और 8 में कहने जा रहे हैं, सेनाओं का यहोवा इस प्रकार कहता है, देखो, मैं अपने लोगों को पूर्व देश और पश्चिम देश से बचाऊंगा, और मैं उन्हें यरूशलेम के बीच में बसाऊंगा, और वे मेरे लोग होंगे, और मैं वफ़ादारी और धार्मिकता में उनका परमेश्वर रहूंगा। और हम जैसे हैं, हम इसे पढ़ते हैं, और हम कहते हैं, ठीक है, मुझे लगा कि भगवान ने यही किया था।

परमेश्वर ने उन्हें निर्वासन से वापस लाया था। परमेश्वर ने उन्हें मेमनों की तरह अपनी बाहों में उठाया था, और वह उन्हें वापस लाया और उन्हें बहाल किया। लेकिन प्रभु कहते हैं कि यह अंतिम बहाली नहीं थी।

इससे भी आगे एक और घटना होने जा रही है क्योंकि भले ही लोग अपने पापों में लगे रहते हैं, लेकिन परमेश्वर, एक बड़े तरीके से, अपनी वाचा की वफ़ादारी में लगा रहता है। जकर्याह अध्याय 8 के अंत में, आयत 20 से 23 में कहता है, सेनाओं का यहोवा इस प्रकार कहता है, लोग फिर भी आएंगे, यहाँ तक कि कई शहरों के निवासी, एक शहर से दूसरे शहर के निवासी, कहेंगे, आओ

हम यहोवा से विनती करने और सेनाओं के यहोवा को खोजने के लिए तुरंत ऊपर जाएँ। मैं स्वयं ऊपर जा रहा हूँ।

बहुत से लोग और शक्तिशाली राष्ट्र यरूशलेम में सेनाओं के यहोवा की खोज करने और यहोवा से अनुग्रह मांगने आएंगे। सेनाओं का यहोवा इस प्रकार कहता है, उन दिनों में, हर भाषा के राष्ट्रों में से 10 पुरुष एक यहूदी के वस्त्र को पकड़ लेंगे, और कहेंगे, चलो हम तुम्हारे साथ चलते हैं, क्योंकि हमने सुना है कि परमेश्वर तुम्हारे साथ है। इसलिए, जब भविष्यवक्ताओं ने वापसी की कल्पना नहीं की थी, तो उन्होंने केवल यह नहीं कहा, ठीक है, मुझे लगता है, आप जानते हैं, यशायाह बहुत आदर्शवादी था।

यह वैसा नहीं हुआ जैसा परमेश्वर ने कहा था। उन्होंने यह नहीं कहा कि देखो, तुमने अवज्ञा की, तुमने अपना आशीर्वाद खो दिया, तुमने अपना आशीर्वाद खो दिया। वे लोगों को यह याद दिलाते हैं कि प्रभु इस परम पुनर्स्थापना को लाने जा रहे हैं।

प्रभु अपने वादे पूरे करेंगे। प्रभु आपके हृदय पर नियम लिखेंगे। प्रभु अपने लोगों को उनके निर्वासन से पूरी तरह वापस लाएंगे।

और जब वह ऐसा करेगा, तो पृथ्वी के राष्ट्र भी आकर आराधना करेंगे। और इसलिए, परमेश्वर के न्याय की चरम सीमाओं का यह विचार निश्चित रूप से भविष्यवक्ताओं में है, लेकिन परमेश्वर के प्रेम की चरम सीमाएँ भी हैं। और इसलिए, जब आप भविष्यवक्ताओं को पढ़ा रहे हैं, तो एक बात जो आप सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप इन पुस्तकों का प्रचार करना आसान है और बहुत क्रोधित हो जाना या कानूनवादी बन जाना और कहना, यहाँ आपके द्वारा किए गए पापों की सूची है और वास्तव में लोगों को न्याय के साथ पीटना है।

लेकिन भविष्यवक्ताओं का संदेश अनुग्रह का संदेश भी है जो अंततः ईश्वर के उत्तर और ईश्वर के समाधान को दर्शाता है। भविष्यवक्ताओं ने लोगों की मूर्तिपूजा की निंदा की। हमें लोगों को कुछ ऐसा देना है जिससे वे प्यार कर सकें और जो उनकी मूर्तियों से बढ़कर हो।

और यह परमेश्वर का प्रेम है जो अंततः हमें इससे प्रभावित करता है। इफिसियों के तीसरे अध्याय में पौलुस कहता है, मैं चाहता हूँ कि तुम परमेश्वर के प्रेम की ऊँचाई, गहराई, चौड़ाई और लम्बाई को समझ सको। वह मापने वाले शब्दों का उपयोग वास्तव में किसी ऐसी चीज़ के बारे में बात करने के लिए करता है जिसे मापा नहीं जा सकता।

मेरे जीवन में मेरे लिए परमेश्वर के प्रेम की गहराई, चौड़ाई और गहराई को देखने में मेरी मदद करने वाली चीज़ों में से एक है इस्राएल के लिए परमेश्वर की वाचा की प्रतिज्ञाओं की स्थायी प्रतिबद्धता को समझना। चाहे कुछ भी हो, परमेश्वर इन लोगों के प्रति कैसे प्रतिबद्ध है। रोमियों के आठवें अध्याय में, पौलुस हमें उस महान अध्याय के अंत में उन सभी चीज़ों की याद दिलाता है जो परमेश्वर ने हमारे लिए की हैं।

उसने हमें पहले से ही जान लिया है, और उसने हमें अपने बेटे की छवि के समान बनने के लिए पहले से ही नियत कर लिया है। वह सभी चीजों को एक साथ अच्छे के लिए काम कर रहा है। उसने पहले से ही हमें महिमा दी है और हमें वह विरासत दी है।

उस अध्याय के अंत में, वे कहते हैं, ऐसा कुछ भी नहीं है, ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे हम जीवन में कभी अनुभव करेंगे जो हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग कर सके जो मसीह यीशु में है। अकाल, कठिनाई, नग्नता, उत्पीड़न, तलवार, और यहाँ तक कि मृत्यु भी आपको परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं कर सकती। परमेश्वर का प्रेम शाश्वत है।

यह शाश्वत है। यह स्थायी है। खैर, यह दिलचस्प है कि जब हम रोमियों की पुस्तक पढ़ते हैं, तो रोमियों 9 से 11 में पौलुस जिस बात की ओर मुड़ता है, वह यह है कि मैं कैसे जान सकता हूँ कि रोमियों 8 सत्य है? मैं कैसे जान सकता हूँ कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो हमें मसीह यीशु में परमेश्वर के प्रेम से अलग कर सके? रोमियों 9 से 11 में पौलुस इस्राएल के लोगों के साथ परमेश्वर के रिश्ते की ओर मुड़ता है।

रोमियों 11 में, वह हमें यह वादा भी देता है कि परमेश्वर की योजना का एक हिस्सा और उद्धार के इतिहास के लिए परमेश्वर की अंतिम योजना का एक हिस्सा यह है कि अंत में, सभी इस्राएल, इस्राएल के लोग बचाए जाएँगे और बहाल किए जाएँगे। जिस तरह से मैं परमेश्वर के मेरे लिए अनन्त प्रेम को जानता हूँ, वह यह है कि मैं इस्राएल के लिए परमेश्वर के अनन्त प्रेम का उदाहरण देख सकता हूँ। और ईसाइयों के पास इस्राएल और इस्राएल के लोगों के भविष्य के बारे में सभी तरह के अलग-अलग विचार हैं।

मेरा मानना है कि पुराने नियम में वाचाएँ हमें यह वादा देती हैं कि परमेश्वर के पास इस्राएल के लिए एक भविष्य है क्योंकि परमेश्वर अपनी वाचा की प्रतिज्ञाओं को पूरा करता है और परमेश्वर अपनी वाचा की आज्ञाओं के प्रति प्रतिबद्ध है। अब, जब हमने यह देखा है, पृष्ठभूमि, भविष्यवक्ताओं का संदेश, यह वाचा के लिए कैसे उन्मुख है, ये चार विचार, आपने पाप किया है, आपने वाचा को तोड़ा है, आपको पश्चाताप करने की आवश्यकता है। यदि कोई पश्चाताप नहीं है, तो न्याय होने वाला है।

और फिर, न्याय के बाद, पुनर्स्थापना होगी। मुझे उम्मीद है कि इसमें से कुछ भविष्यवक्ताओं के बारे में कुछ आम गलतफहमियों को दूर करने में मदद करेगा और शायद इन पुस्तकों का अध्ययन करने या उन्हें पढ़ाने के बारे में आपकी कुछ गलतफहमियाँ भी दूर होंगी। इसलिए, मैं इस पाठ को सिर्फ इस बारे में सोचकर समाप्त करना चाहूँगा कि यहाँ भविष्यवक्ताओं के बारे में कुछ आम गलतफहमियाँ हैं जो मुझे लगता है कि हमें तब पता चलता है कि जब हम समझते हैं कि उनका संदेश क्या था तो वे सटीक नहीं हैं।

कुछ लोग भविष्यवक्ताओं को देखते हैं, और वे उन्हें उन्मादी बकवास करने वालों से ज़्यादा कुछ नहीं मानते। मैंने कुछ साल पहले एक इतिहास चैनल पर एक वृत्तचित्र भी देखा था, और उसमें भविष्यवक्ता ईजेकील और उनके संदेश को व्यक्त करने के कुछ तरीकों के बारे में बात की गई

थी, जो शायद इस तथ्य को दर्शाता है कि उन्हें एक मनोवैज्ञानिक विकार था। और यह एक तरह का प्रचलित दर्शन था।

अब कई बार ऐसा हुआ है कि जब भविष्यवक्ता परमेश्वर की आत्मा के प्रभाव में परमानंद की स्थिति में अपना संदेश प्रस्तुत करते हैं, तो हम शाऊल को उस तरह से भविष्यवक्ता के रूप में कार्य करते हुए देखते हैं। यह सामान्य अनुभव नहीं है। वे लोगों को बहुत स्पष्ट संदेश दे रहे हैं, यह उस रहस्योद्घाटन पर आधारित है जो परमेश्वर ने अपने लोगों को दिया है।

वे उन्मादी बकवास करने वाले नहीं हैं। उन्हें संदेशवाहक के रूप में भेजा गया है जो बहुत ही स्पष्ट तरीके से लोगों को उनकी वाचा की जिम्मेदारियों की याद दिला रहे हैं। आपने यह किया है।

भगवान ऐसा करने जा रहे हैं। पश्चाताप करने का यही अवसर है। बाइबल में बयानबाजी का सबसे कुशल उपयोग पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं में पाया जाता है।

आमोस अपना संदेश शुरू करने जा रहा है। उसे दक्षिण के यहूदा देश से उत्तर के लोगों को उपदेश देने के लिए भेजा गया है। जरूरी नहीं कि उसका वहाँ स्वागत किया जाए।

और इसलिए, आमोस राष्ट्रों के न्याय के बारे में बात करके शुरू करता है। और फिर जब वह लोगों को लुभाता है और उन्हें एहसास होता है कि, अरे, परमेश्वर राष्ट्रों का न्याय करने जा रहा है, तो वह उन पर बम गिराता है। परमेश्वर तुम्हारा भी न्याय करने जा रहा है।

और इसलिए, भविष्यवक्ता उन्मादी बकवास करने वाले नहीं हैं। वे केवल परमानंद की स्थिति में नहीं हैं। यहाँ एक बहुत ही स्पष्ट संदेश है।

दूसरी गलतफहमी यह है कि भविष्यवक्ता क्रोधित, क्रोधी ईश्वर के संदेशवाहक नहीं हैं, जो केवल अपने लोगों को नष्ट करना और उनका विनाश करना चाहता है। और हम इस बारे में पहले ही बात कर चुके हैं। मैं बहुत ही कट्टरपंथी पृष्ठभूमि में पला-बढ़ा हूँ।

मुझे याद है कि मैं चर्च जाता था और प्रचारकों को उपदेश देते हुए सुनता था। वे चेहरे पर लाली ला देते थे और चीखते थे। जब मैं 10 साल का था, तो उनमें से कुछ बहुत डरावने थे।

और उनकी गर्दन पर एक नस होती थी, और यह उभरी हुई होती थी। और यह, कई मायनों में, मेरे द्वारा भविष्यवक्ताओं का अध्ययन शुरू करने से पहले की बात है; यह मेरी समझ थी कि वे किस तरह के थे। मुझे लगता है कि हम यह समझ गए हैं कि जब उन्होंने एक चरम संदेश का प्रचार किया, तो वह चरम संदेश चरम परिस्थितियों के कारण था।

और उन्हें उस संदेश का प्रचार करने में मज़ा नहीं आया। अक्सर उनमें से कुछ प्रचारक, मुझे लगता था कि उन्हें लोगों को यह बताने में मज़ा आता था कि वे नरक में जा रहे हैं, या उन्हें हमें पापों की सूची देने में मज़ा आता था। भविष्यवक्ताओं को यह पसंद नहीं है।

परमेश्वर दुष्टों की मृत्यु से प्रसन्न नहीं होता। यह जकेल हमें यह बताता है। 2 पतरस 2 नए नियम में भी यही बात दोहराता है।

परमेश्वर नहीं चाहता कि कोई नाश हो, बल्कि वह चाहता है कि सभी पश्चाताप करें। परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं को सबसे पहले इसलिए भेजा था, क्योंकि अगर लोग उस संदेश पर प्रतिक्रिया करते, तो वे इस न्याय से बच सकते थे। इसलिए, पुराने नियम का परमेश्वर क्रोधित, उन्मादी, उन्मादी, हत्यारा, दार्शनिक, किसी भी प्रकार का परमेश्वर नहीं है।

वह एक ऐसा ईश्वर है जो लोगों की परवाह करता है। नए नास्तिक आंदोलन ने पुराने नियम के ईश्वर, क्रोधित, न्यायप्रिय, एक ईश्वर जो विपत्तियों का गीत गाता है और लोगों को मारता है और नरसंहार और इस तरह की चीजों का आदेश देता है, नए नियम के ईश्वर, जो यीशु का पिता है और प्रेम का ईश्वर है, के बीच एक मजबूत अंतर खींचने की कोशिश की है। भविष्यवक्ताओं के संदेश में न्याय और उद्धार दोनों हैं।

परमेश्वर की पवित्रता, पाप के लिए परमेश्वर की घृणा, यही है, यही वास्तविक है। यह कुछ ऐसा है जिसका हमें अपनी संस्कृति में प्रचार करना चाहिए। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि इसमें क्षमा है, अनुग्रह है, पुनर्स्थापना है।

वास्तव में, हमें यिर्मयाह अध्याय 18 में परमेश्वर की ओर से यह वचन मिलता है कि यदि लोग भविष्यवक्ताओं की बात मान लें, तो हमेशा यह अवसर रहेगा कि उस न्याय को टाला जा सकता है। अध्याय 18, पद 7 में यह कहा गया है: यदि मैं किसी राष्ट्र या राज्य के बारे में यह घोषणा करूँ कि मैं उसे उखाड़कर नष्ट कर दूँगा, और वह राष्ट्र जिसके बारे में मैंने कहा है बुराई से फिर जाए, तो मैं उस विपत्ति से पीछे हट जाऊँगा जो मैं उस पर डालने का इरादा रखता हूँ। हम छोटे-छोटे भविष्यवक्ताओं के माध्यम से ऐसे उदाहरण भी देखेंगे जहाँ परमेश्वर लोगों द्वारा संदेश पर प्रतिक्रिया दिए जाने पर न्याय से पीछे हट जाता है।

मुझे लगता है कि कई मायनों में, भविष्यवक्ताओं के बारे में गलतफहमी है। पुराने नियम के परमेश्वर का गलत चित्रण किया गया है। जब मैं लोगों को परमेश्वर के बारे में कुछ कहते हुए सुनता हूँ, तो वे कहते हैं, वह मेरे पिता हैं, मैं उनसे प्रेम करता हूँ, मैं उनके प्रेम को जानता हूँ, मैं उनका बचाव करना चाहता हूँ, और मैं उनके सम्मान की रक्षा करना चाहता हूँ।

मुझे लगता है कि भविष्यवक्ता हमें यह समझने में मदद करते हैं कि परमेश्वर वास्तव में कैसा है। मुझे लगता है कि भविष्यवक्ताओं के बारे में तीसरी गलतफहमी, और यह अक्सर चर्च में उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार में आ जाती है, वह यह है कि हम भविष्यवक्ताओं को मुख्य रूप से भविष्य के भविष्यवक्ता के रूप में देखते हैं। उनकी भूमिका हमें उन सभी चीजों का विस्तृत रोडमैप देना था जो एस्केटोलॉजी में होने वाली हैं।

भविष्य की भविष्यवाणी करना नबी के संदेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। व्यवस्थाविवरण 18 में लोगों को बताया गया कि सच्चे नबियों को झूठे नबियों से अलग करने का एक तरीका यह है कि एक सच्चे नबी ने जो भी भविष्यवाणी की या वादा किया, वह सच होगा। उसे हर बार 100% सही होना चाहिए।

950 का बल्लेबाजी औसत काफी नहीं था। वह हमेशा सही और सटीक होते थे। हम भविष्यवक्ताओं को कई तरह से देखते हैं।

वे लोगों के लिए भविष्यवाणी कर रहे हैं कि अगर वे अपने तरीके नहीं बदलते हैं तो उनके साथ ऐसा होने वाला है। लेकिन भविष्यवक्ताओं की प्राथमिक भूमिका भविष्य की भविष्यवाणी करना नहीं थी। यह उनकी सेवकाई का एक हिस्सा था, यह उनकी भविष्यवाणी करने की क्षमता का एक हिस्सा था, यह एक प्रदर्शन था कि उनका वचन परमेश्वर की ओर से आया था।

यशायाह की पुस्तक में अध्याय 40 से 48 में विशेष रूप से, परमेश्वर ने खुद को इस्राएल के आस-पास के मूर्तिपूजक देवताओं से अलग करने का एक तरीका यह था कि प्रभु अपने भविष्यवक्ताओं के माध्यम से भविष्य की घोषणा करने में सक्षम था, इससे पहले कि वह घटित हो। मुझे लगता है कि यशायाह 40 से 55 में हमें यह विस्तृत वादा दिया गया है कि कैसे परमेश्वर यशायाह के समय में अपने लोगों को निर्वासन से वापस लाने जा रहा था, इसका एक कारण यह था कि उन्हें दिखाया जाए कि परमेश्वर भविष्य की भविष्यवाणी कर सकता है। लेकिन भविष्य की भविष्यवाणी करना भविष्यवक्ता के संदेश का केवल एक छोटा सा हिस्सा था।

किसी ने इसे सांख्यिकीय रूप से इस तरह तोड़ा है। उन्होंने कहा है कि पैगंबर के उपदेशों का दो-तिहाई हिस्सा मुख्य रूप से भविष्य-कथन था। दूसरे शब्दों में, केवल परमेश्वर के वचन का प्रचार करना, वही करना जो पादरी रविवार को करते हैं, वही करना जो एलिव्याह और एलीशा ने किया था जब उन्होंने लोगों से बाल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता या उनके धर्मत्याग के बारे में पूछा था।

उपदेश का दो-तिहाई हिस्सा भविष्य-कथन था। इसका केवल एक-तिहाई हिस्सा भविष्य में होने वाली चीजों के बारे में भविष्यवाणी करना और बताना था। जब हम एस्केटोलॉजी में भविष्यवक्ताओं के बारे में सोचते हैं, तो वे जो भविष्यवाणी या भविष्यवाणी कर रहे थे, उनमें से एक-तिहाई ऐसी चीजें भी थीं जो निकट भविष्य में होने वाली थीं।

वे अब हमारे लिए भविष्यवाणियाँ नहीं हैं, वे ऐसी चीजें हैं जो पहले ही घटित हो चुकी हैं। फी और स्टीवर्ट कहते हैं कि भविष्यवाणी संबंधी उपदेशों का दो प्रतिशत से भी कम हिस्सा मसीहाई भविष्यवाणी है। भविष्यवक्ताओं के उपदेशों का पाँच प्रतिशत से भी कम हिस्सा नई वाचा के युग से संबंधित है, और उनके उपदेशों का एक प्रतिशत से भी कम हिस्सा उन चीजों से संबंधित है जो अभी भी भविष्य में घटित होने वाली हैं।

और इसलिए, जब हमारे पास लोग होते हैं या जब हमारे पास भविष्यवाणी के प्रवक्ता होते हैं या जब हमारे पास ऑनलाइन बिकने वाले वीडियो होते हैं, और हम भविष्य के विस्तृत रोडमैप की तलाश में भविष्यवक्ताओं के पास आते हैं, तो हम शायद भविष्यवक्ताओं का उपयोग उस उद्देश्य के लिए नहीं कर रहे हैं जिसके लिए उनका इरादा था। जब हम सोचते हैं कि हम एक हाथ में बाइबिल और दूसरे हाथ में अखबार लेकर भविष्यवक्ताओं के पास आ सकते हैं, और हम सीधी रेखाएँ और पत्राचार खींच सकते हैं, तो हम शायद भविष्यवक्ताओं में ऐसी चीजें पढ़ रहे हैं जो

वास्तव में वहाँ नहीं हैं। और यह उन चीजों में से एक है जिसने भविष्यवक्ताओं के लोकप्रिय अध्ययन की विशेषता बताई है।

पिछले कुछ सालों में हार्बिगर नामक एक हालिया अध्ययन हुआ है, जिसमें यशायाह 9 की आयत 8 से 10 के बारे में बात की गई है, जो अमेरिका के बारे में प्रत्यक्ष भविष्यवाणी है। मुझे पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं में किसी ऐसे विशेष अंश के बारे में नहीं पता जो सीधे अमेरिका के बारे में बात करता हो। 1988 में एक किताब आई थी, 88 कारण क्यों 1988 में रैप्चर होगा।

आप अब वह किताब ऑनलाइन पा सकते हैं, बहुत सस्ते में। संदेश को कुछ हद तक बदनाम किया गया था। जब मैं हाई स्कूल में था, तो मुझे भविष्यवाणी में दिलचस्पी होने लगी क्योंकि मैं द लेट ग्रेट प्लैनेट अर्थ नामक फिल्म देखने गया था।

लेकिन भविष्यवक्ताओं का अध्ययन करने पर, मुझे एहसास हुआ कि यह वास्तव में उनका प्राथमिक ध्यान नहीं है। जब मैं कभी-कभी लोगों को बताता हूँ, मैं पुराने नियम को पढ़ाता हूँ, मैं भविष्यवक्ताओं को पढ़ाता हूँ, तो आमतौर पर कई सवाल उठते हैं। और उनमें से एक सवाल यह है कि क्या हम अंतिम दिनों में जी रहे हैं? और वे इससे यह जानना चाहते हैं कि क्या बाइबल संकेत देती है कि मसीह का आगमन जल्द ही होने वाला है? और मुझे लगता है कि शायद ऐसे तरीके हैं जिनसे हम यह कह सकते हैं।

लेकिन बाइबिल का दृष्टिकोण यह है कि अंतिम दिन मसीह के पहले आगमन के साथ शुरू हुए थे, और वे दूसरे आगमन तक जारी रहेंगे। 1991 में एक किताब आई थी जिसमें खाड़ी युद्ध के बारे में बात की गई थी जो कि बाइबल की भविष्यवाणी की पूर्ति थी क्योंकि यशायाह, यिर्मयाह या बेबीलोन के न्याय के बारे में प्रकाशितवाक्य में सभी अंश हैं। फिर से, मुझे लगता है कि यह बाइबल में चीजों को पढ़ना है।

लोगों के मन में सवाल हैं कि इसराइल राज्य का क्या होगा? क्या 1948 का इसराइल, बाइबिल के इतिहास, बाइबिल की भविष्यवाणी की पूर्ति है? बाइबिल इन सवालों का जवाब नहीं देती। यह भविष्यवक्ताओं का लक्ष्य नहीं है। और जब वे भविष्य को देखते हैं, तो वे हमें मुख्य रूप से वह देते हैं जिसे हम भविष्य पर एक नरम लेंस फोकस के रूप में संदर्भित कर सकते हैं, न कि एक विस्तृत विशिष्ट रोडमैप।

भविष्यवक्ता के रूप में, जब वे भविष्य के बारे में बात करते हैं, तो वे हमें चार बुनियादी बातों की याद दिलाते हैं, बार-बार। वे हमें याद दिलाते हैं कि परमेश्वर अपने लोगों को निर्वासन से वापस लाएगा, नंबर एक। वे हमें याद दिलाते हैं कि परमेश्वर दाऊद वंश को पुनर्स्थापित करेगा।

वे हमें याद दिलाएंगे कि यरूशलेम को मंदिर के साथ फिर से बनाया जाएगा। और वे हमें याद दिलाएंगे कि भविष्य में इस्राएल को अंतिम राज्य में आशीर्वाद मिलने से सभी राष्ट्रों को शामिल किया जाएगा। लेकिन यह सब कैसे किया जाता है, इसका सटीक विवरण और विशिष्टताएँ, भविष्यवक्ता हमेशा उन सवालों का जवाब नहीं देते हैं।

भविष्यवक्ता हमारी जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए नहीं हैं। वे हमें एक दृढ़, स्थिर विश्वास दिलाने के लिए हैं कि अंततः, परमेश्वर का राज्य प्रबल होगा और परमेश्वर के लोग जीतेंगे। दानियेल 2 और दानियेल 7 के भविष्यसूचक दर्शनों में, हमारे पास मानवीय विश्वव्यापी साम्राज्यों का एक क्रम है जो अंततः परमेश्वर के राज्य द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है।

जब मैं भविष्यवक्ताओं को पढ़ता हूँ, तो मैं उन सभी सवालों का जवाब नहीं दे पाता जो लोग भविष्यवाणियों और भविष्यवाणियों के बारे में पूछना चाहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि आखिरकार, हम जान सकते हैं कि हम जीतने वाले पक्ष में हैं। अगर मैं अपनी पसंदीदा टीम का वीडियो देखता हूँ, तो मुझे स्कोर पता होता है, और मुझे पता होता है कि वे उस गेम को जीतते हैं, तो मैं पहले हाफ़ में किसी गड़बड़ी के बारे में चिंतित नहीं होता।

मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि वे हाफटाइम तक 10 से पीछे हैं, क्योंकि मुझे पक्का यकीन है। मुझे अंतिम परिणाम पता है। भविष्यवक्ताओं को हमारे लिए यही करने के लिए बनाया गया है।

मुझे लगता है कि चर्च को विभाजित करने वाली चीजों में से एक यह है कि हम अक्सर एस्केटोलॉजी के बारे में बहस करना पसंद करते हैं। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो प्री-मिल और पोस्ट-मिल और ए-मिल हैं। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो प्री-ट्रिब, मिड-ट्रिब, पोस्ट-ट्रिब और इन सभी विभिन्न स्वादों के हैं।

मुझे लगता है कि जब हम वास्तव में समझ जाते हैं कि भविष्यवक्ता किस बारे में हैं, तो यह हमें उन विचारों को कभी-कभी की तुलना में बहुत अधिक विनम्रता के साथ धारण करने के लिए प्रेरित कर सकता है। बाइबल हमें विस्तृत चार्ट और नक्शे नहीं देती है जो हम बनाना चाहते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि मेरा मानना है कि ईश्वर के पास इस्राएल के लोगों के लिए एक उद्देश्य है।

मेरा मानना है कि परमेश्वर इस्राएल के लोगों से किए गए अपने वाचा के वादों को पूरा करने जा रहा है। लेकिन जिस तरह से यह होगा, क्या यह एक राष्ट्रीय पुनर्स्थापना है? क्या यह केवल एक आध्यात्मिक पुनर्स्थापना है? बाइबल इन सभी सवालों का पूरी तरह से जवाब नहीं देती है। चर्च कई मायनों में उन वादों की पूर्ति है जो परमेश्वर ने एक नए लोगों को बहाल करने और एक युगांतकारी समुदाय बनाने के लिए किए थे।

इज़राइल में चर्च एक दूसरे से कैसे संबंधित है? हम उन चीजों के बारे में अपने विश्वास रख सकते हैं, लेकिन हमें उन चीजों को विनम्रता के साथ थामे रखना चाहिए। अगर दुनिया हमें देखती है और हमें परलोक विद्या पर लड़ते हुए देखती है, तो मुझे लगता है कि जब हम ईश्वर के प्रेम और मसीह के प्रेम के बारे में बात करते हैं, तो उनके लिए वास्तव में देखना और समझना और हम पर विश्वास करना कठिन है। अंतिम गलतफ़हमी, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक शिक्षक और एक पादरी के लिए है, मुझे प्रभावित करती है, और यह एक ऐसी चीज़ है जिससे मुझे अपने छात्रों के साथ निपटना है।

यह गलत धारणा कि भविष्यवक्ताओं को समझना मेरे लिए बहुत कठिन है या मेरे लिए अपने लोगों को उपदेश देना बहुत कठिन है। जब हम सीखते हैं कि भविष्यवक्ताओं का मूल संदेश न्याय और उद्धार है, जब हम सीखते हैं कि हमें उन्हें किसी तंग युगांतशास्त्रीय योजना में फिट

करने की ज़रूरत नहीं है, तो मेरा मानना है कि यह भविष्यवक्ताओं के संदेश को सरल बनाता है। जब हम ऐतिहासिक संदर्भ और उन चीज़ों को समझते हैं जिनके बारे में वे बात कर रहे हैं, तो मुझे लगता है कि यह हमारे लिए लागू करना और समझना आसान बनाता है कि क्या हो रहा है।

जब हम समझते हैं कि भविष्यवक्ता अत्यधिक आलंकारिक भाषा का उपयोग करते हैं और हमें हर विवरण में स्पष्ट पूर्ति खोजने की आवश्यकता नहीं है, तो मुझे लगता है कि संदेश को कठिन बनाने के बजाय, इसे सरल बनाना चाहिए। हमने जो कुछ किया है, उसमें से एक यह है कि मुझे लगता है कि हमने भविष्यवक्ताओं के संदेश को बहुत कठिन बना दिया है। भविष्यवक्ता तीन प्रमुख अनुप्रयोग मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं।

वे लोगों से उनकी मूर्तिपूजा के बारे में बात करने जा रहे हैं। वे लोगों से सामाजिक न्याय की समस्या के बारे में बात करने जा रहे हैं, और वे लोगों से कपटी और झूठी पूजा की समस्या के बारे में बात करने जा रहे हैं। आज चर्च में भी यही मुद्दे हैं।

यदि आप पादरी हैं, तो मैं चाहता हूँ कि आप बस इस बारे में सोचें कि यदि भविष्यवक्ता उस आध्यात्मिक आहार का हिस्सा नहीं हैं जो आप लोगों को दे रहे हैं और उन्हें सिखा रहे हैं, तो आपके चर्च में क्या कमी है। अंततः, ईश्वर की एक बाइबिल तस्वीर है। हमने इसके बारे में बात की है, ईश्वर के क्रोध का सफेद पानी, ईश्वर के प्रेम की चरम सीमा।

अगर हम इन किताबों को नहीं पढ़ाते, अगर हम इनका अध्ययन नहीं करते, तो हम ईश्वर को सभी समृद्ध और विविध तरीकों से नहीं देख पाएंगे। इसलिए, मैं आपको प्रोत्साहित करना चाहता हूँ, भविष्यवक्ताओं से मत डरिए। उनके पास आज हमारे लिए एक शक्तिशाली, प्रासंगिक और व्यावहारिक संदेश है।

मुझे उम्मीद है कि इन परिचयात्मक वीडियो ने हमें उनके संदेश के बारे में बेहतर जानकारी दी है।

यह डॉ. गैरी येट्स द्वारा लघु भविष्यवक्ताओं पर उनके व्याख्यान श्रृंखला में है। यह व्याख्यान 2 है, भविष्यवक्ताओं का मंत्रालय और संदेश, भाग 2।